International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

भारत और इण्डोनेशिया सम्बन्ध

कुँवर भास्कर परिहार

एम.ए. राजनीति विज्ञान

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

भारत तथा इण्डोनेशिया के बीच मैत्री सम्बन्ध स्थापित करने का श्रेय भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दिया जाता है, जिन्होंने तत्कालीन इण्डोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकार्णो के साथ मिलकर इस मैत्री सम्बन्ध के पौधे का बीज बोया था।

औपनिवेशिकता से संघर्ष में साथ

यह वह समय था, जब इण्डोनेशिया डच साम्राज्य को समाप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा था। उस समय जवाहरलाल नेहरू ने इण्डोनेशिया की इस उद्देश्य पूर्ति में अपना भरपूर सहयोग दिया था। वर्ष 1947 में नेहरू ने इण्डोनेशिया की समस्या पर विचार–विमर्श हेतु नई दिल्ली में पहले एशियाई सम्बन्ध सम्मेलन का आयोजन किया।

इस आयोजन में एशिया महाद्वीप के देशों के स्वतन्त्रता आन्दोलन से जुड़े सभी नेता एकत्र हुए। यह सम्मेलन एशियाई देशों की एकता के निर्माण में प्रथम प्रयास था। इसके अतिरिक्त उड़ीसा के पूर्व मुख्यमन्त्री बीजू पटनायक ने प्रधानमन्त्री नेहरू के आह्वान पर इण्डोनेशिया के उप–राष्ट्रपति मोहम्मद हट्टा को नई दिल्ली लाने के लिए अपना एयरक्राफ्ट इण्डोनेशिया भेजा था, जिससे हट्टा सम्मेलन में भाग ले सकें। इसके बाद राष्ट्रपति सुकार्णो ने बीजू पटनायक को मानद भूमि–पुत्र की उपाधि प्रदान की। वर्ष 1949 में नेहरू ने पुनः इण्डोनेशिया सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका विषय भी इण्डोनेशिया पर डच हमले पर विचार–विमर्श था।

भारत एवं इण्डोनेशिया के बीच सम्बन्ध हमेशा से ही मधुर रहे हैं। यह दोनों ही देश एक–दूसरे के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सम्बन्धों के साझीदार रहे हैं। यह सम्बन्ध कई सहस्त्राब्दियों से चले आ रहे हैं, परन्तु भारत एवं इण्डोनेशिया के बीच औपचारिक राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना 03 मार्च, 1951 को हुई।

तब से लेकर अब तक यह स्थिति कायम है ज्ञातव्य है कि शीत युद्ध के समय जब विश्व दो गुटों में विभाजित था, तब भी भारत एवं इण्डोनेशिया ने गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के माध्यम से अलग मार्ग अपनाया,

जिससे ये देश अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और राजनीतिक सम्प्रभुता को बनाए रखें तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो दो दिन की राजकीय यात्रा पर 12 दिसम्बर, 2016 को भारत आये। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच और बेहतर सम्बन्ध बनाने के लिए तथा आतंकवाद से मुकाबले सहित तीन अन्य महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किय गये । इन समझौतों में खेल एवं युवा सहयोग तथा मानकीकरण सहयोग समझौता ज्ञापन एवं स्वैच्छिक सहयोग पर एक संयुक्त सहमति बनी। इस सहमति के पश्चात दोनों देशों द्वारा जारी किये एक संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों ही देश आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए यूएनएससी प्रस्ताव 1267 और इससे सम्बन्धी अन्य प्रस्तावों को लागू करने का आह्वान करेंगे।

भारत एवं इण्डोनेशियाई सम्बन्धों के विविध पक्ष

भारत एवं इण्डोनेशिया के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध हैं, जिसके कई पक्ष हैं इन पक्षों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

राजनीतिक पक्ष

इण्डोनेशिया के स्वतन्त्रता संघर्ष के समय से भारत उसका मित्र रहा है। वर्ष 1947 एवं 1949 के एशियाई एवं इण्डोनेशिया सम्मेलन भी इसी राजनीतिक पक्ष का हिस्सा रहे, जो आगे चलकर और मजबूत बनते चले गये। ये दोनों सम्मेलन बाण्डुंग सम्मेलन के पूर्ववर्ती सम्मेलन थे। यह सम्मेलन पहला अफ्रो–एशियन सम्मेलन था, जहां नेहरू एवं सुकर्णों ने मिलकर 'एशिया की भावना' को प्रेरित करके गुटनिरपेक्ष आन्दोनल की नींव रखी।

वर्ष 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव द्वारा 'पूर्व की ओर देखो' नीति को अपनाने के पश्चात दोनों देशों के बीच राजीनितक सुरक्षा, वाणिज्यिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सम्बन्धों में काफी मजबूती आ गई है। वर्तमान सरकार भी 'पूर्व की ओर देखो' नीति (अब ऐक्ट ईस्ट नीति) को अपना रही है।

राजनीतिक सम्बन्धों को और अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनवरी, 2001 में आसियान के दो सदस्य देशों इण्डोनेशिया एवं वियतनाम की यात्रा की, जिससे इन देशों के साथ राजनीतिक पक्ष मजबूत बने रहें। वर्ष 2001 में भारतीय गणतन्त्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में इण्डोनेशिया के राष्ट्रपति युधोयोनी ने भारत की यात्रा की।

इस यात्रा के दौरान 16 अन्तर्सरकारी करारों पर हस्ताक्षर किये गये जिसमें प्रत्यर्पण सन्धि, परस्पर विधिक सहायता सन्धि, व्यापार मन्त्रियों का द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन, तेल एवं गैस के क्षेत्र में सहयोग सम्बन्धी समझौता ज्ञापन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग सम्बन्धी समझौता ज्ञापन तथा परस्पर सांस्कृति कार्यक्रमों के आदान–प्रदान सम्मिलित थे।

इसके अतिरिक्त भारत एवं इण्डोनेशिया द्विपक्षीय करार, व्यापक आर्थिक सहयोग करार के लिए वार्ता शुरू करने पर तथा ऊर्जा मंच साझा करने को भी सहमत हुए। अक्टूबर, 2013 में प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने इण्डोनेशिया की यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किये। इसके अतिरिक्त 25वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इण्डोनेशिया की यात्रा की तथा व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के विषय में अपनी सहमति प्रदान की।

आर्थिक पक्ष

एशिया में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश इण्डोनेशिया है। दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार, वर्ष 2014–15 में $ 19.03 बिलियन रहा। भारत इण्डोनेशिया को औषधीय पदार्थ एवं इनसे बने उत्पाद प्रचुर मात्रा में निर्यात करता है।

वर्ष 2015 में उप–राष्ट्रपति हामिद अंसारी की इण्डोनेशिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय व्यापार के प्रोत्साहन हेतु निम्नलिखित समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये।

- अक्षय ऊर्जा एवं संस्कृति के क्षेत्र में
- आतंकरोधी एवं रक्षा के क्षेत्र में
- जलवायु परिवर्तन, समुद्री सुरक्षा और दक्षिण चीन सागर में समुद्र की स्वतंत्रता जैसे वैश्विक और क्षेत्रीय सहयोग के क्षेत्र में
- प्रत्यर्पण सन्धि पर द्विपक्षीय कार्य

इण्डोनेशिया 'आसियान' का महत्वपूर्ण सदस्य देश है। भारत तथा आसियान के बीच बेहतर सम्बन्ध के लिए इण्डोनेशिया को 'मिडिल पॉवर' डिप्लोमेसी के तहत प्रयुक्त किये जा सकता है। पाकिस्तान से बिगड़े सम्बन्धों तथा चीन को नियन्त्रित करने के लिए भारत को इण्डोनेशिया के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

इन समझौते ज्ञापन में वर्ष 2030 तक भारत में 35 प्रतिशत तथा इण्डोनेशिया में 29 प्रतिशत तक कार्बन उत्सर्जन को कम करने का मुद्दा भी शामिल रहा।

सामरिक सहयोग

भारत और इण्डोनेशिया ने रणनीतिक भागदारी और क्षेत्रीय शान्ति एवं सुरक्षा बनाये रखने में साझा रूचि के साथ ही समुद्री पड़ोसियों के रूप में सहयोग और अधिक मजबूत बनाने की भी पहल की। भारत के अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह की समुद्री सीमा इण्डोनेशिया को छूती है।

सैन्य सहयोग

भारत तथा इण्डोनेशिया के बीच सैन्य सहयोग का बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों की शुरूआत की गई। इसे इण्डिया–इण्डोनेशिया कॉर्डिनेटेड पेट्रोल (कॉरपार्ट) कहा जाता है नौसेनाओं के बीच होने वाले इस सैन्य अभ्यास के साथ दोनों देश रक्षा सहयोग को समन्वित तथा प्रभावी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत द्वारा चलाई जा रही 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी के तहत सम्बन्धों को मजबूत बनाने के लिए ऐतिहासिक रिश्तों को पुनर्जीवित भी किया जा रहा है।

सांस्कृतिक पक्ष

इण्डोनेशिया मुस्लिम–बहुल देश होने के बावजूद भी सांस्कृतिक विविधताओं से परिपूर्ण है यहां विश्वभर के सभी धर्मों को बराबर महत्व दिया जाता है। यहां का इतिहास हिन्दू और बौद्ध धर्म से ज्यादा प्रभावित है। यहां का बोरो बुदूर और प्रम्बानन मन्दिर हिन्दू धर्म की आस्था का प्रतीक है। भारत के साथ यहां के लोगों का घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है। यहां पर जवाहरलाल नेहरू भारतीय संस्कृति केन्द्र है, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य (कथक, भरतनाट्यम) तथा योग की कक्षाओं का नियमित परिचालन करता है, साथ ही हिन्दी एवं तमिल भाषा भी सिखाई जाती है।

यहां की आबादी (युवा पीढ़ी) को भारतीयों से जोड़ने हेतु सोशल मीडिया का सहारा लिया गया है। भारतीय दूतावास ने यू–ट्यूब पर दो वीडियो 'ओल्ड हेरिटेज न्यू पार्टनरशिप' तथा 'इण्डिया–इण्डोनेशियाः एन एनड्यूरिंग रिलेशनशिप' अपलोड किये हैं। बहासा भाषा में 'स्टैण्डिंग इन इण्डिया' शीर्षक से एक विशेष प्रकाशन किया जा रहा है, जिससे भारत में उच्च शिक्षा हेतु इण्डोनेशिया छात्रों को सुविधा मिल सके।

गरूड़ इण्डोनेशिया भारत और इण्डोनेशिया के बीच सीधी विमान सेवा की शुरूआत

इण्डोनेशियाई राष्ट्रपति की दो–दिवसीय यात्रा के दौरान ही दोनों देशों के बीच एक सीधी वायुसेवा आरम्भ की गई। यह वायुसेना इण्डोनेशिया की प्रमुख विमानन कम्पनी गरूड़ इण्डोनेशिया द्वारा 12 दिसम्बर, 2016 को मुम्बई और जकार्ता के बीच शुरू की गई। यह वायुसेना सप्ताह में तीन ही दिन

होगी, जिसे बाद में नियमित किया जा सकता है। इस हवाई यात्रा के लिए 156 सीटों वाला बोइंग 737. 800 विमान तैनात किया गया है, जिसमें 12 सीटें विजनेस श्रेणी में तथा 144 सीटें इकोनॉमी श्रेणी की होंगी।

सहावट इण्डिया

इण्डोनेशिया में भारत महोत्सव 2015, (जिसे 'सहावट इण्डिया' नाम दिया गया), का शुभारम्भ इण्डोनेशिया की पूर्व राष्ट्रपति मेघावती (सुकार्णोपुत्री) द्वारा किया गया। इस महोत्सव के दौरान विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इण्डोनेशियाई राजधानी जकार्ता में भारतीय लोक नृत्य से लेकर बॉलीवुड की फिल्मों तक का प्रदर्शन किया गया।

भारत–इण्डोनेशिया सम्बन्धों की वर्तमान स्थिति

- भारत एवं इण्डोनेशिया ने अपने द्विपक्षीय सम्बन्धों की क्षमता को प्रगाढ़ तथा घनिष्ठ बनाने के लिए कई क्षेत्रों में कार्य किये हैं।
- दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार का मुनाफा भी $ 26 बिलियन से अधिक हो चुका है।
- विगत कुछ वर्षों में दोनों ने अपने समुद्री सहयोग में वृद्धि की है। दोनों ही देशों ने आईओ आर–एआरसी पर घनिष्ठ सहयोग के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये तथा हिन्द महासागर से जुड़े मुद्दों पर ट्रैक II का आयोजन किया।
- भारत की कुछ प्रमुख कम्पनियों; जैसे–टाटा पॉवर, रिलायन्स अडानी, एल एण्ड टी, वीडियोकॉन, आदित्य बिड़ला सहित कई अन्य कम्पनियों ने इण्डोनेशिया में निवेश किया है।
- दोनों ही देशों में ऐतिहासिक सम्बन्धों एवं साम्राज्यवाद के साथ मिलकर संघर्ष करने की प्रचुर सम्भावनाएं है।
- इण्डोनेशिया में भारतीय मूल के लगभग 10 लाख इण्डोनेशियाई नागरिक हैं, जो मुख्यतः व्यापार एवं खेल से जुड़े हुए हैं।
- इण्डोनेशिया में एक आईसीएफ सांस्कृतिक फोरम है, जो 31 भारतीय सामाजिक संगठनों का अम्ब्रेला संगठन है।

निष्कर्ष

भारत और इण्डोनेशिया राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझीदार हैं। दोनों ही देश गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के सदस्य होने के अतिरिक्त जी–20 एवं जी–7 के भी सदस्य हैं। वर्तमान में

विश्व के कई प्रमुख देश आतंकवाद, मानव तस्करी, भुखमरी, जलवायु परिवर्तन आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत ौर इण्डोनेशिया मिलकर इन समस्याओं से निजात दिलाने में लगे हैं।

दोनों ही देश पूर्वोन्मुखी नीति के दायरे में आते हैं तथा विकासशील देशों की श्रेणी में गिने जाते हैं। दोनों ही देश शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन के खेक्ष में भी एक–दूसरे को सहयोग दे रहे हैं। अतः कहा जा सकता है कि आने वाला समय दोनों ही देशों के लिए नया दौर होगा।

References

Hoadley, M. C. (1991). Sanskritic continuity in Southeast Asia: The ṣaḍātatāyī and aṣṭacora in Javanese law. Delhi: Aditya Prakashan.

Hughes-Freeland, F. (1991). Javanese visual performance and the Indian mystique. Delhi: Aditya Prakashan.

Foreign Policy of India: Text of Documents 1947-59 (p.54)

R. C. Majumdar, *Champa*, *Ancient Indian Colonies in the Far East*, Vol.I, Lahore, 1927.

R. C. Majumdar, *Suvarnadvipa*, *Ancient Indian Colonies in the Far East*, Vol.II, Calcutta,

R. C. Majumdar, *Kambuja Desa Or An Ancient Hindu Colony In Cambodia*, Madras, 1944

Ram Bahukhandi (27 January 2011). "Letter: India and Indonesia – Natural allies". The Jakarta Post. Retrieved 14 May 2015

"India and Indonesia aim to double trade". BBC News. 25 January 2011.

"India and Asean aim to boost trade". BBC News. 3 March 2011

The journey of the Goddess Durga: India, Java and Bali by Ariati, Ni Wayan Pasek, 2016